सबगुरु डिजिटल मीडिया प्लेटफार्म
फेसबुक पेज लिंक
https://www.facebook.com/sabgurunews/
वेबसाइट लिंक
https://www.sabguru.com/
यूट्यूब चैनल लिंक
https://www.youtube.com/channel/UCCcLf90UP-prqTinNwqUXZg/
English Article Link:
https://www.sabguru.com/en/the-role-of-dopamine-understanding-the-feel-good-hormone/

SABGURU NEWS

पो.रजि. नं. आरजे/एजे/211/2025-27

PRGI. No. RAJBIL/2023/88629

सबगुरु न्यूज

(राष्ट्रीय द्विभाषीय पाक्षिक)

मो.9887907277 Email ID sabgurunews@gmail.com Website https://www.sabguru.com

सम्पादक - विजय सिंह

खबरों के लिए स्कैन करें

वर्ष 2 | अंक 24 | अजमेर, मंगलवार 10 जून 2025 | मूल्य 5 रुपए | पृष्ठ-4

सुशासन से विभिन्न क्षेत्रों में आया बदलाव, प्रगति के साथ जीवन में सुगमता बढी -मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि उनकी सरकार के 11 वर्ष के कार्यकाल में देश ने 140 करोड़ लोगों की सामूहिक भागीदारी से सुशासन के बल पर विभिन्न क्षेत्रों में तेजी से बदलाव देखा है जिससे तेजी से प्रगति हुई है और जीवन में सुगमता आयी है।मोदी ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन राजग सरकार के कार्यकाल के 11 साल पूरे होने पर सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर सिलसिलेवार पोस्ट में कहा कि भारत न केवल सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बन गया हैए बल्कि जलवायु परिवर्तन और डिजिटल नवाचार जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर एक प्रमुख वैश्विक आवाज भी बन गया है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2014 में राजग सरकार के केन्द्र की सत्ता में आने के बाद मोदी ने पहली बार प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली थी। प्रधानमंत्री के रूप में उनके कार्यकाल के 11 वर्ष पूरे होने के अवसर पर मोदी ने

सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर सिलसिलेवार पोस्ट में कहा कि सबका साथ- सबका विकास- सबका विश्वास सबका प्रयास के सिद्धांत से प्रेरित होकर राजग सरकार ने तेजी से और संवेदनशीलता के साथ युगांतकारी परिवर्तन किए हैं। मोदी ने कहा है कि आर्थिक विकास से लेकर सामाजिक उत्थान तकए सरकार ने जन.केंद्रित समावेशी और सर्वांगीण प्रगति को प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा कि भारत आज न केवल सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है बल्कि जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए कार्रवाई और डिजिटल नवाचार जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर एक प्रमुख वैश्विक आवाज भी है।प्रधानमंत्री ने कहा कि देश को अपनी सामूहिक सफलता पर गर्व है लेकिन इसके साथ ही हम आशा व विश्वास के साथ विकसित भारत के निर्माण के लिए नए संकल्प के साथ आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने इस बात पर भी बल दिया कि पिछले 11 वर्षों में कई सकारात्मक बदलाव आए हैं और जीवन की सुगमता को बढ़ावा मिला है।मोदी ने सरकार की उपलब्धियों को संवाद.शैली के माध्यम से प्रस्तुत करने वाली नमो ऐप के माध्यम से इस परिवर्तनकारी यात्रा के बारे में जानकारी जुटाने के लिए देशवासियों को प्रोत्साहित भी किया है। इस ऐप के जरिए इंटरैक्टिव गेम क्विज़ सर्वेक्षण और अन्य प्रारूपों के माध्यम से प्रेरणादायी जानकारी प्राप्त की जा सकती है। प्रधानमंत्री ने लोगों को नमो ऐप और आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध वीडियो इन्फोग्राफिक्स और लेखों जैसे विभिन्न आकर्षक प्रारूपों के माध्यम से भारत की विकास यात्रा के बारे में जानकारी लेने के लिए भी आमंत्रित किया।मोदी ने अपने पोस्ट में कहा कि सुशासन और परिवर्तन पर स्पष्ट ध्यान! 140 करोड़ भारतीयों के आशीर्वाद और सामूहिक भागीदारी के बल पर भारत ने विभिन्न क्षेत्रों में तेजी से परिवर्तन देखे हैं। सबका साथ-सबका विकास- सबका विश्वास- सबका प्रयास के सिद्धांत से प्रेरित होकर एनडीए सरकार ने तेजी से और संवेदनशीलता के साथ युगांतकारी परिवर्तन किए हैं। आर्थिक विकास से लेकर सामाजिक उत्थान तक जन.केंद्रित समावेशी और सर्वांगीण प्रगति पर ध्यान केंद्रित किया गया है। हमें अपनी सामूहिक सफलता पर गर्व है लेकिन साथ ही हम एक विकसित भारत के निर्माण के लिए आशा विश्वास और नए संकल्प के साथ आगे बढ़ते हैं।

आरएएस मुख्य परीक्षा की तिथि स्थगन की मांग को लेकर अनशन

दो महिला अभ्यर्थियों की तबियत बिगड़ी

जयपुर। राजस्थान में आरएएस मुख्य परीक्षा 2024 की तिथि स्थगन एवं वार्षिक परीक्षा कैलेंडर की मांग को लेकर राजस्थान विश्वविद्यालय में अभ्यर्थियों का अनशन रविवार को भी जारी रहा और इस दौरान दो महिला अभ्यर्थियों की तबियत बिगड़ गई जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया।इस मांग को लेकर गुरुवार को अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया गया था और शनिवार को अभ्यर्थियों ने भूख हड़ताल शुरू कर दी। रविवार को अनशन पर बैठी एक महिला को तेज़ बुख़ार हो गया और उसकी तबियत बिगड़ गई। इसी तरह एक अन्य महिला अभ्यर्थी की भी तबियत खराब होने पर दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया गया।अनशन कर रहे अभ्यर्थियों ने मांग करते हुए बच्चे भूखे बैठे हैं के नारे

लगाकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का ध्यान अपनी ओर खींचा। उन्होंने कहा कि जब तक सरकार उनकी बात नहीं सुनेगीवे पीछे नहीं हटेंगे। आंदोलन में पूर्व सैनिकों और महिला अभ्यर्थियों की भागीदारी इसे और भी भावनात्मक और संवेदनशील बना रही है।अभ्यर्थियों ने बताया कि सरकार के नौ मंत्रियों 35 से अधिक विधायकों उपमुख्यमंत्री तथा अनेक संगठनों ने पत्र लिखकर राज्य सरकार के मुखिया भजनलाल शर्मा से मुख्य परीक्षा की तिथि स्थगित करने के लिए तथा 2023 के अंतिम परिणाम के पश्चात परीक्षा करवाने का आग्रह किया है। अभ्यर्थियों ने सरकार से इन मांगों पर गंभीरता से विचार कर ठोस कदम उठाने की अपील की है।

टीचर ने की शिक्षा मंत्री मदन दिलावर को रिश्वत देने की कोशिश, सस्पेंड

जयपुर। राजस्थान में शिक्षा मंत्री मदन दिलावर को सोमवार को एक शिक्षक द्वारा अपने काम के लिए पांच हजार रुपए की रिश्वत देने की कोशिश करने का मामला सामने आया हैं और इसके बाद शिक्षक को निलंबित कर दिया गया हैं।दिलावर ने प्रेस कांफ्रेंस करके इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि सुबह वह जनसुनवाई कर रहे थे उस समय बांसवाड़ा जिले के घाटोल ब्लाक में स्थित उच्च प्राथमिक विद्यालय बूढ़ा के शिक्षक चन्द्रकांत वैष्णव अपने एक काम की दरख्वास्त के साथ एक मिठाई का डिब्बा एवं एक लिफाफा दिया।उन्होंने बताया कि उन्हें कही जाना थाए ऐसे में वह निकल गए और फिर फोन आया कि शिक्षक ने जो लिफाफा दिया हैं उसमें रुपए लगते हैं और उसे खोलकर देखने पर उसमें पांच हजार रुपए निकले।उन्होंने बताया कि वह वापस आकर इस संबंध में संबंधित थाने को सूचना दी और पुलिस मौके पर पहुंची जिसे वह लिफाफा सौंप दिया गया और शिक्षक को हिरासत में ले लिया गया।

उन्होंने बताया कि वह पिछले 35.36 सालों से राजनीति में हैं और तीसरी बार मंत्री भी हैं लेकिन उनके जीवन में यह इस तरह की पहली घटना सामने आई हैं।उन्होंने कहा कि शायद शिक्षा विभाग में पहले पैसे लेकर काम करने की परम्पराएं रही हो और इस कारण इस तरह की हिम्मत की गई हो लेकिन इस मामले में पुलिस पूछताछ के बाद ही सामने आ पाएगा कि उसने किस कारण एवं मंशा से इस तरक का कदम उठाया।दिलावर ने बताया कि उन्होंने इस शिक्षक को पहली बार देखा है। फिलहाल शिक्षक को पुलिस हिरासत में लिया गया हैं और विभाग ने उसे निलंबित कर दिया हैं।

दौसा में पिता-पुत्र की हत्या का खुलासा

दौसा। राजस्थान में दौसा जिले के पापड़दा थाना क्षेत्र में छह जून को पिता और पुत्र की हत्या का खुलासा करते हुए पुलिस ने मृतक घनश्याम की पत्नी और उसके दो भाइयों को गिरफ्तार किया है।पुलिस सूत्रों ने रविवार को बताया कि सात जून को सुबह करीब

साढ़े सात बजे खवारावजी की जोध्यावाली ढाणी में दो व्यक्तियों की हत्या की सूचना मिली। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची जहां 70 वर्षीय थानसिंह बैरवा और उनके 35 वर्षीय पुत्र घनश्याम बैरवा के शव मिले।पुलिस ने बताया कि जांच में सामने आया कि मृतक घनश्याम की पत्नी निर्मला बैरवा परिवार में चल रहे झगड़ों और गृहक्लेश से इस कदर परेशान हो चुकी थी कि उसने अपने भाइयों मनोज बैरवा और प्रदीप बैरवा को बुला लिया। तीनों ने मिलकर थान सिंह और घनश्याम पर लाठीए डंडों और ईंटों से बेरहमी से हमला कियाए जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई।पुलिस के अनुसार मुखबिर की सूचना और मानपुर थाना पुलिस के सहयोग से निर्मला बैरवा ;30 और दोनों भाईयों मनोज बेरवा ;32द्ध एवं प्रदीप बैरवा ;26 को गिरफ्तार कर लिया गया।

सेबी के नाम पर साइबर धोखाधड़ी का नया जाल, पुलिस ने निवेशकों को चेताया

जयपुर। साइबर अपराधी लगातार अपनी चालें बदल रहे हैं और अब उन्होंने निवेशकों को ठगने के लिए भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड ;सेबी जैसे प्रतिष्ठित वित्तीय नियामक के नाम का इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है।इस सम्बन्ध में राजस्थान पुलिस की साइबर अपराध शाखा ने एक गंभीर चेतावनी जारी करते हुए आम जनता और निवेशकों को इस नये धोखाधड़ी के जाल से सावधान रहने को कहा है। पुलिस ने साफ किया है कि धोखेबाज सेबी के फर्जी लेटरहेड पुनर्प्राप्ति प्रमाण पत्र और यहां तक कि सील का भी इस्तेमाल कर रहे हैंए ताकि वे सेबी अधिकारी बनकर लोगों को ठग

सकें।पुलिस अधीक्षक ;साइबर अपराध शांतनु कुमार ने सोमवार को बताया कि साइबर अपराधी इन दिनों निवेशकों को ऐसे संदेश या आदेश भेज रहे हैं जो देखने में बिल्कुल सेबी से जारी हुए लगते हैं। इन फर्जी दस्तावेजों में सेबी का लेटरहेड और पुनर्प्राप्ति प्रमाणपत्र की हूबहू नकल होती है जिससे पहली नज़र में इन्हें पहचानना मुश्किल हो जाता है। वे खुद को सेबी का अधिकारी बताते हैं और निवेशकों को विभिन्न बहाने बनाकर झांसे में लेते हैं। उनका मकसद निवेशकों की मेहनत की कमाई हड़पना होता है।उन्होंने इस धोखाधड़ी से बचाव के लिए कुछ महत्वपूर्ण तरीके बताए हैं जिनकी मदद से किसी भी आदेश या नोटिस की प्रामाणिकता की पुष्टि की जा सकती है। इसके तहत सेबी के किसी भी आदेश की उसकी वेबसाइट पर जाकर सत्यापित करने करने की सलाह दी है। सेबी ने बताया है कि वह केवल अपने आधिकारिक ई.मेल पते से ही आदेश जारी करता है।

सम्पादकीय

भीतर के दुश्मनों के खिलाफ सख्ती-चौकसी बढ़ानी होगी

भारत विरोधी शक्तियों के हाथ में खेलकर देश को मुश्किल में डालने का यह कृत्य परेशान एवं चिन्ता में डालने वाला है। बहुत संभव है कि जासूसी कांड में लिप्त ये भारतीय बड़े आर्थिक प्रलोभनों के लालच में पाक एजेंटों के जाल में फंसे हों। पाकिस्तान भारत के अनेक लालची शानोशौकत के आकांक्षी देशद्रोही एवं देश के दुश्मन लोगों का इस्तेमाल भारत के खिलाफ प्रचार और जासूसी गतिविधियों के लिए कर रहा था। ऐसे ही कुछ देश विरोधी तत्वों का पर्दाफाश होना चौंकाता भी है एवं चिन्ता में भी डालता है। ऐसे ही तत्वों में एक नाम है ज्योति मल्होत्रा उस पर आरोप है कि वह न केवल सोशल मीडिया पर पाकिस्तान की सकारात्मक छवि पेश कर रही थी बल्कि उसने पाक खुफिया एजेंसी के एजेंटों से भारत से जुड़ी संवेदनशील जानकारियां भी साझा कर रही थींजिनमें ऑपरेशन सिंदूर से जुड़ी गोपनीय जानकारियां भी थीं। वह एक खुफिया एजेंट के रूप में सीमा पार से चलाए जा रहे नेटवर्क का हिस्सा थी। देश की सुरक्षा एजेंसियों ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि भारत की मिट्टी पर छिपे गद्दार कितनी भी चालाकी से छिप जाएंए वे कानून की नजरों से नहीं बच सकते। उम्मीद है कि पूछताछ में ऐसे सबूत मिल सकते हैं जो भारत के खिलाफ बड़ी साजिशों का खुलासा कर सके। ऑपरेशन सिंदूर ने न सिर्फ सरहद पार बैठे दुश्मनों की नींद हराम कर दी है बल्कि देश के भीतर बैठे गुप्त गद्दारों की भी कमर तोड़ दी है। हाल ही में लगातार ऐसे अनेक राष्ट्र.विरोधी जासूसों की गिरफ्तारी ने जता दिया कि भारत हर मोर्चे पर देश की सुरक्षा एवं संरक्षा के लिये प्रतिबद्ध है। ये गिरफ्तारियां अनेक दृष्टियों से महत्वपूर्ण एवं यह भी पाक की एक करारी हार ही है।पाक के लिए जासूसी करने के आरोप में हरियाणा के हिसार की यूट्यूबर और ट्रैवल ब्लॉगर ज्योति मल्होत्रा समेत छह लोगों की खुफिया एजेंसियों से मिली जानकारी के आधार पर की गयी गिरफ्तारी भारत की सतर्कता एवं सावधानी को तो दर्शाती ही हैए इससे यह भी स्पष्ट होता है कि इस चुनौती भरे समय में भीतर के दुश्मनों की शिनाख्त एवं उनकी धडपकड़ कितनी जरूरी है। ट्रैवल विद जा् नाम से यू.ट्यूब चैनल चलाने वाली ज्योति पर आरोप है कि वह पाक के कई उच्च अधिकारियों के संपर्क में थी और भारत से जुड़ी गुप्त सूचनाएं पाक तक पहुंचाती थी। पता यह भी चला है कि पाक यात्रा के दौरान उसकी मुलाकात पाक उच्चायोग के एक कर्मचारी दानिश से हुई जिसके माध्यम से उसकी पहचान आइएसआइ के एजेंटों से हुई। ज्योति इन एजेंटों के साथ व्हाट्सएप टेलीग्राम और स्नैपचौट के जरिये संपर्क में थी। कहते हैं कि उसने एक पाक खुफिया अधिकारी के साथ गहरे संबंध बनाये और उसके साथ बाली भी गयी थी। ज्योति एवं उसके सहयोगी बेखौफ भारत की अति.संवेदनशील एवं गोपनीय सूचनाओं को पाक से साझा करते हुए देश को नुकसान पहुंचा रहे थे। ये सभी आम नागरिकों की तरह जिंदगी जी रहे थे लेकिन इनके इरादे राष्ट्रविरोधी थे। देश की कीमत पर सारे राष्ट्र.मूल्यों एवं निष्ठाओं को ताक पर रखकर धनार्जन की लालसा और मौज.मस्ती का लक्ष्य घिनौना एवं अक्षम्य अपराध है। राष्ट्र को इन विस्फोटक विसंगतियों से बचाना होगा।भारत विरोधी शक्तियों के हाथ में खेलकर देश को मुश्किल में डालने का यह कृत्य परेशान एवं चिन्ता में डालने वाला है। बहुत संभव है कि जासूसी कांड में लिप्त ये भारतीय बड़े आर्थिक प्रलोभनों के लालच में पाक एजेंटों के जाल में फंसे हों। लेकिन बड़ा प्रश्न है कि कैसे कुछ लोग पैसे व शानोशौकत के लालच में देश की सुरक्षा व लोगों का जीवन भी दांव पर लगा सकते हैं देश के भीतर के ये दुश्मन बाहरी दुश्मनों से ज्यादा घातक एवं नुकसानदेय हैं। पाकिस्तानी जासूसी एजेंसी आईएसआई से ताल्लुक रखने पर पिछले दिनों हरियाणा पंजाब व यूपी के इन लोगों की गिरफ्तारी ने कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। लेकिन इनकी गहन जांच से और भी गंभीर खुलासे होने की संभावनाओं को नकारा नहीं जा सकता। ये एक गंभीर चुनौती है और हमारी कानून प्रवर्तन एजेंसियों और खुफिया संस्थाओं को अब इस चुनौती को गंभीरता से लेना होगा। इन लोगों के तार भीतर कहां.कहां जुड़े हैए इसका पर्दाफाश होना ज्यादा जरूरी है। ये तत्व देश की राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ ही सांप्रदायिक सद्भाव एवं आम.जनजीवन को भी खतरे में डाल सकते हैं। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि हरियाणा की ज्योति कथित तौर पर हाल के ऑपरेशन सिंदूर के दौरान दिल्ली में पाकिस्तान उच्चायोग के एक कर्मचारी के संपर्क में थीए जिसे हाल ही में भारत विरोधी गतिविधियों के लिये देश से निकाला गया। इस मामले में चल रही जांच से पता चला है कि 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले से पहले ज्योति कश्मीर गई और उससे पहले पाकिस्तान गई थी। एक से अधिक बार पाकिस्तान जा चुकी ज्योति पर खुफिया अधिकारियों की नजर तो थी हीए ज्योति के कई वीडियोज ने भी खुफिया एजेंसियों का ध्यान खींचाए चाहे वह नयी दिल्ली स्थित पाक दूतावास में इफ्तार की दावत का वीडियो हो पिछले साल हुए विश्व कप में भारत.पाक मैच में दर्शकों की प्रतिक्रिया वाला वीडियो हो या कश्मीर घूमने आये लोगों पर बनाये गये वीडियो हों।

केवल अंक लाना जीवन का अंत नहीं-गजेन्द्र सिंह शेखावत

विलक्षण प्रतिभा सम्मान समारोह

अजमेर। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने केवल अंक लाना जीवन का अंत नहीं बताते हुए कहा है कि अंक और अंत में बहुत अंतर होता है और हम सबको देश के लिए बहुत कुछ करना है इस यथार्थ को समझते हुए आगे बढ़ते रहना है। शेखावत ने रविवार को यहां डॉक्टर भीमराव अंबेडकर सभागार में आयोजित छात्र सम्मान समारोह में यह बात कही। उन्होंने कहा कि जो लोग अपने अध्ययन काल में कम नंबर लाए थे उन्होंने भी अपनी किसी एक विद्या में पारंगत होकर अपने जीवन में एक अलग मुकाम हासिल किया और देश के विकास में अप्रतिम योगदान दिया। उन्होंने छात्रों से कहा कि आप जिस भी क्षेत्र में अपने भविष्य का चुनाव करें उस क्षेत्र में श्रेष्ठतम प्रदर्शन कर सकते हैंए इस विचार के साथ आगे बढ़ने की जरूरत है।उन्होंने कहा कि देश वर्ष 2047 तक विकसित भारत होगा जिसमें सबकी भूमिका सबसे अधिक महत्वपूर्ण होगी। आप देश की सबसे बड़ी सौभाग्यशाली पीढ़ी हैं क्योंकि देश उस रास्ते चल पड़ा है जब पूरी दुनिया की निगाहें भारत पर हैं अब भारत को बदलने से कोई नहीं रोक सकता है।

उन्होंने कहा कि जब भारत विकसित होगा तब आप सभी यह गर्व करेंगे कि देश को विकसित राष्ट्र बनाने में सबका योगदान अहम रहा। यह आपका दोहरा सौभाग्य होने के साथ ही दोहरी जिम्मेदारी भी होगी इसलिए इस उत्तरदायित्व के साथ आगे बढ़ने की जरूरत है।अध्यक्षता अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. नारायणलाल गुप्ता ने कहा कि युवाओं को प्रेरणा देने के लिए जनप्रतिनिधियों व प्रशासन की भागीदारी महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय शिक्षा क्रांति का युग है और राष्ट्रीय शिक्षा नीति में यह परिवर्तन स्पष्ट दिखाई दे रहा है।

उन्होंने कहा कि अंक विद्यार्थियों को पंख देंगे लेकिन उड़ान के लिए दिशा जानना अनिवार्य है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की कि वे आत्ममूल्य का संवर्धन करें। उपाधि के साथ उपयोगी कौशलों के निरंतर अभ्यास द्वारा स्वयं को बेहतर बनाएं।इस समारोह में अजमेर शहर के 56 विद्यालयों के 518 विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। इसमें वर्ष 2024 में आयोजित 12वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा में 90 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों का सम्मान किया गया। आयोजन की संयोजक अजमेर दक्षिण विधायक एवं संस्थान की संरक्षक अनिता भदेल रहीं। पहल जन सेवा संस्थान के अध्यक्ष नीतेश आत्रेय ने संस्थान की ओर से अतिथियों का स्वागत किया।सम्मान समारोह के अंतर्गत रिद्धिमा मित्तल और भावनी जैन विज्ञान वर्ग ने 96.20 प्रतिशत संध्या सिसोदिया कला वर्ग ने 93 प्रतिशत स्नेहा गर्ग वाणिज्य वर्ग ने 98.60 प्रतिशत, मिश्बा खान वाणिज्य वर्ग ने 90 प्रतिशत, वंश गुप्ता और दिलीशा कला वर्ग ने 99 प्रतिशत तथा राहुल शेरा ने 96.60 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विशिष्ट सम्मान प्राप्त किया।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों से संवाद करते हुए विभिन्न सामाजिक एवं राष्ट्रीय मुद्दों पर प्रश्न पूछे गए। इसमें स्वच्छ भारत मिशन, जल संरक्षण, महिला अधिकारए, लैंगिक समानता, मोबाइल का सीमित उपयोग, जैविक खेती में सहभागिता जैसे विषय शामिल रहे। विद्यार्थियों ने अपनी सूझबूझ एवं जागरूकता का परिचय देते हुए उत्तर दिए।

सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश के दो पत्रकारों को दी गिरफ्तारी से राहत

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश में एक पुलिस अधीक्षक के कार्यालय में कथित तौर पर मारपीट और जान के खतरे की आशंका के खिलाफ दायर दो पत्रकारों की याचिकाओं पर गिरफ्तारी से अंतरिम राहत देते हुए उन्हें मध्य प्रदेश हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाने की सोमवार को अनुमति दी।न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति मनमोहन अंशकालीन कार्य दिवस पीठ ने याचिकाकर्ता दोनों पत्रकारों .शशिकांत जाटव और अमरकांत सिंह चौहान को गिरफ्तारी से तो राहत दी लेकिन किसी अन्य प्रकार की राहत के लिए उनकी याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया और उन्हें मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय जाने को कहा।पीठ ने कहा कि हम याचिका पर विचार नहीं कर रहे हैं। हालांकि आरोपों को देखते हुएए हम याचिकाकर्ताओं को आज से ;नौ जून 2025 दो सप्ताह के भीतर संबंधित उच्च न्यायालय जाने की अनुमति देते हैं। इस बीच जब तक याचिकाकर्ता उच्च न्यायालय नहीं जाते तब तक उन्हें गिरफ्तार नहीं किया जाएगा। याचिकाकर्ताओं ने अधीक्षक असित यादव सहित भिंड पुलिस पर हिरासत में हिंसा जाति.आधारित दुर्व्यवहार और जान को लगातार खतरा होने का आरोप लगाया है। इससे पहले शीर्ष अदालत ने दो जून को उन पत्रकारों की याचिका पर नौ जून को सुनवाई करने की सहमति व्यक्त की थी।न्यायमूर्ति संजय करोल और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की अंशकालीन कार्य दिवस पीठ ने याचिकाकर्ताओं के अधिवक्ता की दलीलें सुनने के बाद मामले को तत्काल सूचीबद्ध करने पर सहमति जताई थी। याचिकाकर्ताओं का आरोप है कि अवैध रेत खनन गतिविधियों से संबंधित ;रेत माफिया के बारे में रिपोर्टिंग करने पर मध्य प्रदेश के कुछ पुलिस अधिकारियों ने उन पर हमला किया था।पत्रकारों का पक्ष रखने वाले वकील ने अदालत के समक्ष कहा था कि दोनों को अपने जान पर खतरा मंडरा रहा है। उन पर झूठे और मनगढ़ंत मामलों में गिरफ्तारी का खतरा है। उन्होंने कहा था कि यह बहुत गंभीर मामला है उन्हें एक पुलिस कार्यालय में पीटा गया वे अब शरण लेने के लिए दिल्ली पहुंचे हैं।

याचिका के अनुसार मारपीट की यह घटना एक मई को भिंड जिले में हुई थी जहां दो पत्रकारों को पुलिस अधीक्षक के कार्यालय के अंदर कथित रूप से पीटा गया था। उस दिन पीठ की ओर से यह पूछे जाने पर कि इस मामले में उच्च न्यायालय क्यों नहीं गएए वकील ने कहा कि यह वास्तव में उन मामलों में से एक है उनके पास साधन नहीं हैं।वकील ने शीर्ष अदालत को यह भी बताया था कि प्रेस क्लब ऑफइंडिया ने कथित हमले की निंदा की है। उन्होंने संबंधित पत्रकारों के जान पर गंभीरता को जोरदार तरीके से उठाया है।

अलवर के ईएसआईसी अस्पताल में महिला से रेप मामले में नर्सिंग कर्मी निलम्बित

अलवर। राजस्थान में अलवर के कर्मचारी राज्य बीमा निगम ;ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज के सर्जिकल गहन चिकित्सा इकाई में 32 वर्षीय महिला से दुष्कर्म करने के आरोपी नर्सिंग अधिकारी सुभाष गठाला को कॉलेज प्रशासन ने शनिवार रात निलम्बित कर दिया।मेडिकल कॉलेज के डीन प्रोफेसर असीमदास ने रविवार को बताया कि पुलिस से मिलने वाली जानकारी के बाद उसे निलम्बित कर दिया गया और मुख्यालय को इसकी जानकारी दे दी गई है। सुभाष गठाला अस्पताल के सर्जिकल आईसीयू में कार्यरत था।चार जून की रात ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज के अस्पताल के आईसीयू में महिला वहां कार्यरत सुभाष ने मरीज के बेड के चारों तरफ पर्दे लगाकर दुष्कर्म की घटना को

अंजाम दिया। आईसीयू में घटना के समय आठ बेड पर सात मरीज भर्ती थे। इनमें तीन महिलाएं थीं। पुलिस आईसीयू में भर्ती अन्य मरीजों से पूछताछ कर रही है। अस्पताल के सीसीटीवी कैमरे की जांच पड़ताल की जा रही है। पुलिस ने कहा कि सोमवार को पीड़िता के 164 के बयान दर्ज होंगे और उसके बाद आरोपी को गिरफ्तार करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। उधर राजनीतिक दल इस मुद्दे को राजनीतिक रूप देने का प्रयास कर रहे हैं।

पीड़िता के परिजनों ने बताया कि लगातार फोन करके उन पर दबाव डाला जा रहा है। वहीं कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने घटना की निंदा करते हुए सरकार पर सवाल खड़े किए हैं।

भाजपा ने नगरीय निकाय एवं पंचायतीराज उपचुनावों में लहराया परचम -मदन राठौड़

जयपुर। राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा है कि भाजपा ने एक बार फिर प्रदेश की जनता का विश्वास अर्जित करते हुए नगरीय निकायों और पंचायतीराज संस्थाओं के उपचुनावों में ऐतिहासिक विजय प्राप्त की है।राठौड़ ने उपचुनाव परिणाम पर सोमवार को यहां मीडिया से बातचीत में अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि पार्टी ने पूर्व में प्राप्त सीटों से लगभग दोगुनी सीटों पर विजय दर्ज करते हुए 36 में से 27 सीटों पर कमल खिलाया है और एक जीत भाजपा समर्थित प्रत्याशी की हुई। इस प्रकार कुल 28 सीटें भाजपा के खाते में आई। उन्होंने कहा कि यह जीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रिय नीतियों एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रतिफल हैं जिसे जनता ने खुले मन से स्वीकारा है।उन्होंने पार्टी के सभी विजयी प्रत्याशियों को हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि यह जीत प्रदेश की जनता के आशीर्वाद और कार्यकर्ताओं की अथक मेहनत का परिणाम है। उन्होंने कहा कि जनता का भाजपा पर विश्वास लगातार बढ़ रहा है जो कि इस उपचुनाव में साफतौर पर दिखाई दिया। उन्होंने बताया कि इससे पहले भाजपा के पास 36 में से केवल 15 सीटें थीं जबकि इस बार पार्टी ने 27 सीटों पर जीत दर्ज की है।उन्होंने कहा कि प्रदेश कांग्रेस के लिए यह उपचुनाव निराशाजनक रहा। कांग्रेस जिन 15 सीटों पर पहले काबिज थीए उनमें से अब केवल चार पर ही सिमट कर रह गई है। यह कांग्रेस के गिरते जनाधार और नेतृत्व की विफलता को दर्शाता है। राठौड़ ने बताया कि प्रदेश की जनता ने केंद्र और रा'य सरकार की विकासोन्मुख पारदर्शी एवं जनहितकारी नीतियों पर अपनी मुहर लगाई है। भाजपा कार्यकर्ता और नेतृत्व प्रदेश की जनता के इस विश्वास को आगे भी कायम रखने के लिए कृतसंकल्पित है और हर वर्ग के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है।राठौड़ ने बताया कि जिला परिषद की छह में से पाचं सीटों पर भाजपा प्रत्याशियों ने जीत दर्ज की है। इसी प्रकार पंचायत समिति के 18 सीटों पर हुए उपचुनावों में भाजपा ने 12 पर विजय प्राप्त की जबकि कांग्रेस को मात्र तीन सीटों पर संतोष करना पड़ा। शेष तीन सीटों पर अन्य दलों और निर्दलीय प्रत्याशियों को जीत मिली है। नगरपालिका उपचुनावों में भी भाजपा ने शानदार प्रदर्शन किया है। कुल 12 सीटों में से 10 पर भाजपा के प्रत्याशियों ने जीत का परचम लहराया है।

डोटासरा स्वयं की विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस प्रत्याशी को नहीं दिला पाए

जीतमदन राठोड़ ने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा पर निशाना साधते हुए कहा है कि वह आए दिन अनर्गल और बेबुनियाद बयानबाजी कर जनता को गुमराह करने की कोशिश करते हैं लेकिन अब प्रदेश की जनता ने उन्हें एक बार फिर करारा जवाब दिया है और वह नगर निकाय उपचुनावों में उनकी लक्ष्मणगढ़ विधानसभा क्षेत्र में अपना प्रत्याशी नहीं जीता पाए हैं।उन्होंने कहा कि नगर निकाय चुनावों में लक्ष्मणगढ़ जो कि स्वयं डोटासरा की विधानसभा सीट हैए वहां कांग्रेस प्रत्याशी की करारी हार इस बात का सबूत है कि जनता कांग्रेस के झूठ और ढकोसले को अब और बर्दाश्त नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि डोटासरा अपने ही क्षेत्र में कांग्रेस उम्मीदवार को जिताने में नाकाम रहेए जो कांग्रेस नेतृत्व की जमीनी हकीकत को उजागर करता हैउन्होंने कहा कि डोटासरा भाजपा पर झूठा प्रचार करने में व्यस्त हैं लेकिन उनके अपने क्षेत्र की जनता ने उन्हें ही आईना दिखा दिया है। यह हार सिर्फएक सीट की नहीं बल्कि कांग्रेस की नीतियों और ढकोसलेबाज़ी की हार है।उन्होंने कहा कि कांग्रेस अब केवल झूठ बोलनेए भ्रम फैलाने और जनता को धोखा देने वाली पार्टी बनकर रह गई है। जनता ने साफ संदेश दे दिया है कि उन्हें विकासए सुशासन और राष्ट्रवाद चाहिए और ये सिर्फ भाजपा ही दे सकती है। यह परिणाम न सिर्फकांग्रेस के खोखले दावों को उजागर करता है बल्कि भाजपा की नीतिए नीयत और नेतृत्व में जनता के विश्वास को भी मजबूती से स्थापित करता है।

तहव्वुर राणा को परिवार से फोन पर बात करने की मिली अनुमति

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने सोमवार को 26/11 मुंबई आतंकी हमलों के आरोपी तहव्वुर राणा को अपने परिवार के सदस्यों से फोन पर बात करने की अनुमति दे दी। विशेष न्यायाधीश चंदर जीत सिंह ने राणा को आरोपी की अर्जी पर सुनवाई के बाद यह अनुमति दी। अदालत ने इससे पहले राणा की अपने परिवार के सदस्यों से बात करने की अर्जी खारिज कर दी थी। पिछले सप्ताह अदालत ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अदालत में पेश किये गये राणा की न्यायिक हिरासत नौ जुलाई तक बढ़ा दी थी।पाकिस्तानी मूल के कनाडाई व्यवसायी तहव्वुर राणा ;64 कथित तौर पर 26/11 मुंबई आतंकी हमलों के मुख्य साजिशकर्ता डेविड कोलमैन हेडली उर्फदाऊद गिलानी का करीबी सहयोगी है जो एक अमरीकी नागरिक है। राणा पर मुंबई में आतंकी हमले को अंजाम देने के लिए हेडली और नामित आतंकी संगठनों के गुर्गों के साथ साजिश रचने का आरोप है। पिछले महीने अमरीकी सुप्रीम कोर्ट ने राणा के प्रत्यर्पण के खिलाफ उसकी समीक्षा याचिका को खारिज कर दिया था और उसे भारतीय हिरासत में भेजने का रास्ता साफकर दिया था।

गौरतलब है कि 10 पाकिस्तानी आतंकवादियों के एक समूह ने नवंबर 2008 में अरब सागर में समुद्री मार्ग का उपयोग करके मुंबई में घुसने के बाद रेलवे स्टेशनए दो आलीशान होटलों और एक यहूदी केंद्र पर समन्वित हमला किया था। इस हमले में करीब 166 लोग मारे गए थे।

पुलिस ने पीलूपुरा में गुर्जर आंदोलनकारियों से रेलवे ट्रैक खाली कराया

भरतपुर। राजस्थान में भरतपुर जिले के बयाना के पीलूपुरा में गुर्जर आंदोलनकारियों की तरफसे अवरुद्ध किए गए दिल्ली-मुंबई रेलवे ट्रैक को पुलिस ने खाली करा लिया है।प्राप्त जानकारी के अनुसार मथुरा सवाई माधोपुर पैसेंजर रेलगाड़ी को रोकने के बाद पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचकर आंदोलनकारियों को समझाने के साथ ही कानूनी कार्रवाई से अवगत कराया। जिसके बाद गुर्जर आंदोलनकारियों ने रेल ट्रैक खाली कर दिया। प्रदर्शनकारियों के रेल ट्रैक खाली करने के बाद रेलगाड़ी में सवार यात्रियों ने राहत की सांस ली। सूत्रों ने बताया कि पीलूपुरा पर खड़ी मथुरा सवाई माधोपुर पैसेंजर रेलगाड़ी को ट्रैक की सुरक्षा जांच के बाद जल्दी ही रवाना किया जा सकता है।इससे पहले भीषण गर्मी में आंदोलनकारियों द्वारा रेलगाड़ी रोके जाने से कई यात्रियों की तबीयत खराब हो गई। इससे यात्रियों में घबराहट फैल गई। यात्रियों के पास पीने का पानी खत्म हो जाने से यात्रियों को बेचैनी होने लगी थी।

महापंचायत समाप्त करने से गुस्सा, लोगों ने ट्रेन रोकी

भरतपुर जिले बयाना के पीलूपुरा में रविवार को अचानक महापंचायत को समाप्त कर देने की घोषणा के बाद गुर्जर समाज के लोगों ने आक्रोशित होकर दिल्ली मुंबई रेल मार्ग पर रेलगाड़ियों के संचालन को ठप कर दिया था। गुर्जर प्रदर्शनकारियों के मथुरा कोटा पैसेंजर रेलगाड़ी को पटरियों पर रोककर चारों तरफसे घेर लेने एवं हुडदंग करने से रेलगाड़ी में बैठे सैकड़ों यात्रियों में घबराहट फैल गई। पटरियों पर दूर दूर तक पुलिस प्रशासन एवं रेलवे का कोई कर्मचारी या अधिकारी भी नजर नहीं आ रहा। अफरातफरी के बीच गुर्जर आंदोलनकारियों की नारेबाजी कर रहे थे। मौके पर पुलिस एवं प्रशासन के अधिकारी किंकर्तव्यविमूढ़ हालत में नजर आ रहे थे। पटरियों पर मौजूद प्रदर्शनकारियों ने कहा कि हम विजय बैंसला की बात को नहीं मानते। जब तक हमारी मांगों को नहीं माना जाएगा रेलगाड़ी को नहीं जाने देंगे।

भजनलाल शर्मा ने जनसुनवाई में परिवेदनाओं के निस्तारण के दिए निर्देश

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार सुबह यहां जनसुनवाई में महिलाओं, दिव्यांगों, बुजुर्गों सहित विभिन्न वर्गों की परिवेदनाओं को सुना तथा अधिकारियों को उनके त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए।शर्मा ने सुबह मुख्यमंत्री निवास पर जनसुनवाई की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिला कलक्टर नियमित रूप से जनसुनवाई कर स्थानीय लोगों की समस्याओं को हल करें। उन्होंने कहा कि अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि जिला स्तर पर ही परिवादी को राहत पहुंचाई जाए ताकि उसे अनावश्यक परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। उन्होंने प्रत्येक परिवेदना का समय से निस्तारण एवं अधिकारी जनता से जुड़े कामों को पूरी जिम्मेदारी से करने के भी निर्देश दिए।

जनसुनवाई के दौरान आर्थिक तंगी से जूझ रही कैंसर पीड़िता प्रेमलता ने इलाज में आ रही समस्याओं के बारे में मुख्यमंत्री को अवगत कराया। इस पर मुख्यमंत्री ने संवेदनशीलता दिखाते हुए अधिकारियों को प्रेमलता के शीघ्र इलाज कराने के निर्देश दिए। इससे अब प्रेमलता कैंसर जैसी गंभीर बीमारी का इलाज निःशुल्क ले सकेगी।मुख्यमंत्री ने सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज कृषि गृह राजस्व सिंचाई परिवहन पशुपालन जयपुर विकास प्राधिकरण नगर निगम शिक्षा चिकित्सा पेयजल मनरेगा ऊर्जा सहित विभिन्न विभागों की आमजन से जुड़ी परिवेदनाओं को सुना और उनका मौके पर ही निस्तारण किया।आधिकारिक सूत्रों के अनुसार शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार महिला किसान युवाए मजदूर इन चार वर्गों के सर्वांगीण विकास के लिए प्राथमिकता से काम कर रही है। मुख्यमंत्री द्वारा नियमित रूप से की जा रही जनसुनवाई में भी इन वर्गों की समस्याओं के समाधान पर विशेष जोर दिया जा रहा है। परिवादियों के लिए मुख्यमंत्री द्वारा की जा रही जनसुनवाई उम्मीद की किरण बन गई है। जनसुनवाई में हजारों की संख्या में परिवादी मुख्यमंत्री के समक्ष अपनी पीड़ा रखते हैं। मुख्यमंत्री भी संवेदनशीलता के साथ मौके पर ही उनका निस्तारण कर उन्हें संबल दे रहे हैं।

Frost & Sullivan: iRegene Therapeutics Honored as "2025 Forbes China Leading Enterprises in Industry Development"

Shanghai, China–(Newsfile Corp. – June 8, 2025) – Recently, The "2025 Frost & Sullivan China Entrepreneurs Annual Conference and Forbes China Pioneer Innovators in Industry Development Selection Gala Evening of Honor," jointly organized by Frost & Sullivan and Forbes China, was successfully held at Regent Shanghai on The Bund.Amid the global trend of industrial innovation, the results of the "2025 Pioneer Innovators in Industry Development" selection jointly initiated by Forbes China and Frost & Sullivan were officially announced. iRegene Therapeutics was honored as one of Forbes China's 2025 Leading Enterprises in Industry Development. iRegene is pioneering the future of regenerative medicine with its AI-powered, chemically induced cell therapy platform. By combining cutting-edge technology, a robust R&D ecosystem, and a globally experienced leadership team, iRegene is redefining allogeneic therapies to make them safer, more effective, and broadly accessible. This recognition highlights iRegene's continued leadership in innovation and its commitment to transforming patient care through next-generation regenerative therapies.Aroop Zutshi, Global Managing Partner and Executive Board Director of Frost & Sullivan, and Junyi Guo, General Manager of Business Operations at Forbes China, jointly presented the 2025 Forbes China Leading Enterprises in Industry Development award. Dr. Jun Wei, Chairman of iRegene Therapeutics, was invited to attend the gala.AI-Driven Chemical-Induced Cell Therapy: Reshaping the Future of Accessible Cell Therapy

Since its establishment in 2017, iRegene Therapeutics has remained committed to addressing unmet clinical needs through the development of next-generation cell therapies. With a focus on chemically induced, universal cell therapy products, iRegene aims to deliver transformative treatments for patients with currently incurable diseases.iRegene Therapeutics has a proprietary, AI-based platform for screening chemical compounds to modify specific cellular functions. The platform leverages induced pluripotent stem cells (iPSCs) to enhance treatment potential. By combining compounds to form a chemically induced culture medium, the "AI+Chem" platform can efficiently and precisely reprogram or optimize a cell's fate and function, thereby enhancing the clinical capabilities of cell therapies.

पुष्कर में वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान

जल संरक्षण हम सबकी महती जिम्मेदारी - भजनलाल शर्मा

अजमेर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जल का कोई विकल्प नहीं बताते हुए कहा है कि जल है तो कल है ऐसे में आने वाली पीढ़ी को पर्याप्त जल उपलब्ध कराने के लिए जल संरक्षण हम सबकी महती जिम्मेदारी है। शर्मा सोमवार को अजमेर जिले के पुष्कर में वंदे गंगा जल संरक्षण.जन अभियान कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने जल की आवश्यकता को समझते हुए प्रदेशभर में विश्व पर्यावरण दिवस ;5 जून के अवसर पर वंदे गंगा जल संरक्षण.जन अभियान की शुरूआत की है। जन जागरूकता और सहभागिता इस अभियान की सफलता का आधार है। उन्होंने आह्वान किया कि ज्यादा से ज्यादा लोग इस अभियान से जुड़ें ताकि राजस्थान में पानी की कमी नहीं रहे तथा हमारा प्रदेश हरियालो राजस्थान बन सके।उन्होंने कहा कि तीर्थराज पुष्कर की इस पावन धरा पर पूरी दुनिया से पर्यटक आते हैं। यहां स्थित ब्रह्माजी का मंदिर और सावित्री माता का मंदिर विश्वभर में प्रसिद्ध है। उन्होंने कहा कि वंदे गंगा जल संरक्षण.जन अभियान की शुरूआत गंगा दशहरा के अवसर पर की गई। ऐसी मान्यता है कि इस दिन पृथ्वी पर गंगा मां का अवतरण हुआ था तथा सभी जलाशयों में स्वयं गंगा मां अवतरित होती हैं। प्राचीन ग्रंथों में भी मां गंगा को पुण्य सलिला मोक्ष प्रदायिनी एवं महानदी कहा गया है।शर्मा ने कहा कि राजस्थान में कम सतही जल के कारण भूजल पर दबाव बढ़ता जा रहा है। भूजल पर अत्यधिक निर्भरता के कारण प्रदेश का लगभग 72 प्रतिशत भाग अतिदोहित श्रेणी में आ गया है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में जल संरक्षण की परंपराएं सांस्कृतिक विरासत का अभिन्न हिस्सा रही हैं। बावड़ियां, जोहड़, तालाब, और कुंए जैसी संरचनाएं राजस्थान की जल संरक्षण परंपराओं का जीवंत उदाहरण हैं।उन्होंने कहा कि वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत जल संचय संरचनाओं का निर्माणए जल स्त्रोतों की साफसफाई परंपरागत जलाशयों के स्वरूप को पुनः बहाल करना और जल संरक्षण के लिए जन जागरूकता से जुड़ी गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस अभियान से जल संरक्षण अब एक जन आंदोलन बन रहा है। यह अभियान निश्चित तौर पर प्रदेश में जल संरक्षण में एक नई क्रांति लाएगा।मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने राजस्थान की विषम भौगोलिक परिस्थितियों को समझते हुए डेढ साल में पानी की निर्बाध आपूर्ति के लिए लगातार निर्णय लिए हैं। उन्होंने कहा कि रामजल सेतु लिंक परियोजना से प्रदेश के 17 जिलों के लोगों को पेयजल मिलेगा और लगभग 4.74 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी। इसी तरह शेखावाटी अंचल में यमुना जल समझौता से क्षेत्र के लोगों को पानी की निर्बाध आपूर्ति मिलेगी। उन्होंने कहा कि इंदिरा गांधी नहर देवास परियोजना माही बांध सोम-कमला.अंबा सहित विभिन्न परियोजनाओं के माध्यम से राज्य में जल संचयन तथा पानी की उपलब्धता को बढ़ावा दिया जा रहा है। हम पानी के क्षेत्र में राजस्थान को आत्मनिर्भर बनाने के लक्ष्य के साथ काम कर रहे हैं।शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जल संचयन को बढ़ावा देने के लिए देशभर में कैच द रेन अभियान प्रारंभ किया था। इस अभियान से प्रेरणा लेकर राजय सरकार ने कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान का शुभारंभ किया। इसके तहत प्रवासी राजस्थानी के योगदान से राज्य में अगले चार साल में लगभग 45 हजार जल संरक्षण संरचनाओं का निर्माण किया जाएगा।उन्होंने कहा कि हमने वित्त वर्ष 2025-2026 में प्रत्येक जिले में कम से कम 125 जल संरक्षण संरचनाओं सहित करीब पांच हजार संरचनाओं के निर्माण का लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के एक पेड़ मां के नाम अभियान से प्रेरणा लेकर हमने पिछले वर्ष सात करोड़ से अधिक पौधे लगाए हैं। इस वर्षाकाल में हम 10 करोड़ पौधे लगाने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पुष्कर को एक भव्य धार्मिक एवं सांस्कृतिक पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए राज्य सरकार द्वारा ब्रह्मा मंदिर कॉरिडोर एवं परिसर के विकास के लिए विभिन्न कार्य चरणबद्ध रूप से करवाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पहले चरण में लगभग 127 करोड़ की लागत से घाट नवीनीकरण, सावित्री वाटिका, ब्रह्मा मंदिर से ब्रह्मा घाट तक कॉरिडोर, ब्रह्मा चौक से वराह घाट तक कॉरिडोर सहित विभिन्न कार्य किए जाएंगे। साथ ही दूसरे चरण में कुल 38 करोड़ की लागत से नया मेला मैदानए प्रवेश और सूचना केंद्र का निर्माण किया जाएगा।इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान को प्रदेश के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए आमजन से इस अभियान में बढ़ चढ़कर भागीदारी करने की अपील करते हुए कहा कि हम सबको जल संरक्षण के प्रति जागरूक रहकर जल का विवेकपूर्ण उपयोग करना चाहिए। जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने राज्य बजट 2025-26 में पुष्कर विधानसभा क्षेत्र सहित संपूर्ण प्रदेश के चहुंमुखी विकास के लिए की गई घोषणाओं के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया।

176 जल संग्रहण संरचनाओं का वर्चुअली लोकार्पण

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने अजमेर जिले में मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान 2.0 के प्रथम चरण के तहत 13.51 करोड़ रुपए के 553 जल संग्रहण संरचनाओं तथा द्वितीय चरण के तहत 9 करोड़ 61 लाख रुपए की 176 जल संग्रहण संरचनाओं का वर्चुअली लोकार्पण किया। शर्मा ने अजमेर जिले के बंदिया एवं मुहामी गांव के कॉजवे एवं फीडर मरम्मत कार्य फूल सागर बीर जलाशय का मरम्मत एवं जीर्णोद्धार कार्य का शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री ने सभा स्थल पर राजीविका से जुड़ी महिलाओं द्वारा तैयार इको फ्रेंडली प्रोडक्ट्स की स्टॉल्स का अवलोकन किया। उन्होंने महिलाओं को तुलसी के पौधे भी भेंट किए। उन्होंने सेंड आर्टिस्ट अजय रावत द्वारा तैयार वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान सेंड कलाकृति की सराहना की।

पुष्कर का जलाभिषेक, ब्रह्मा मंदिर में पूजा-अर्चना

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने ब्रह्मा घाट पर वैदिक मंत्रोच्चार के साथ तीर्थराज पुष्कर का पूजन तथा जलाभिषेक किया। इससे पहले मुख्यमंत्री ने ब्रह्मा मंदिर में पूजा-अर्चना कर प्रदेश की खुशहाली की कामना की तथा ब्रह्मा मंदिर परिसर में स्थित ब्रह्म वाटिका में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत सिंदूर का पौधरोपण भी किया। साथ हीए मुख्यमंत्री ने एमपी मानसिंगका चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से स्थापित श्री ब्रह्मा मंदिर निःशुल्क लिफ्ट सेवा का शुभारंभ किया। इस दौरान देवनारायण बोर्ड के अध्यक्ष ओमप्रकाश भड़ानाए विधायक अनिता भदेल एवं रामस्वरूप लांबा तथा अन्य जनप्रतिनिधि वरिष्ठ अधिकारी एवं बड़ी संख्या में आमजन मौजूद थे।

समाचार भेजने और विज्ञापन हेतु व किसी अन्य जानकारी के लिए सम्पर्क करें:-

मो. +91 9887907277, 7737385114
Email ID
sabgurunews@gmail.com
अजमेर-6/12बी ब्लॉक हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी पंचशील अजमेर 305001, राज.
जयपुर-D8, गोवर्धन कॉलोनी मोहन मार्ग, विवेक विहार मेट्रो स्टेशन के पास जयपुर 302019, राज.

चित्तौड़गढ़ के नामचीन होटल में नाबालिग से रेप, दो आरोपी अरेस्ट

चित्तौड़गढ़। राजस्थान में चित्तौड़गढ़ के सदर थाना क्षेत्र में पुलिस ने शहर के बाहरी क्षेत्र में स्थित एक नामचीन होटल में गत दिनों नाबालिग से दुष्कर्म मामले में लिप्त दो आरोपियों को रविवार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी ने बताया कि चार जून को पीड़िता ने सदर थाने में शिकायत की कि उसके सहपाठी सौम्य अग्रवाल उसको बहला फुसला करके सैथी में बाल्टाज केफे के अन्दर ले गया और वहां उसके फोटो खींच लिए और उससे जबरन दुष्कर्म किया।उसके बाद सौम्य उससे लगातार फोटो वायरल करने की धमकी देकर दुष्कर्म करता था। इसके बाद इसी घटना को उजागर करने की धमकी देकर राघव काबरा ने भी उससे दुष्कर्म किया।उन्होंने बताया कि सदर थानाधिकारी निरंजन सिंह ने सौम्य अग्रवाल और राघव काबरा को रविवार को ही न्यायालय में पेश करके पुलिस हिरासत में लिया। पीड़िता ने उक्त घटना में होटल संचालक के पुत्र को भी आरोपी बनाया था जिसे अभी जांच में रखा गया है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक विजय सिंह ने मुद्रक किशन गुप्ता द्वारा इंडिया ऑफसेट प्रिंटर्स 419 ब्रह्मपुरी, जयपुर रोड से मुद्रित करवाकर कार्यालय 6/12 बी ब्लॉक हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी पंचशील, अजमेर (राज.) से प्रकाशित किया। सम्पादक- विजय सिंह मो. 9887907277 (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अजमेर रहेगा)